दैनिक भास्कर

इंदौर फ्रंट पेज

सोमवार 08 अप्रैल, 2019

भास्कर खास • बच्चों की मनःस्थिति में बदलाव कर स्कूल का वातावरण सुधारने के लिए सीबीएसई स्कूलों ने की पहल, हर महीने कर रहे काउंसलिंग

बुलिंग के शिकार बच्चे कतरा रहे थे स्कूल जाने में, प्रबंधन और पालकों ने हिम्मत बांधी, हिचक दूर की, छुड़वाई हिंसक प्रवृत्ति, अब सब ठीक

विश्वनाथ सिंह | इंदौर

कॉलेजों में एंटी रैगिंग कमेटी के बारे में तो सबको पता है, लेकिन शहर के एक स्कूल ने बुलिंग पर पॉलिसी बनाई है, उसमें साइबर बुलिंग को शामिल किया है। इसका मकसद बच्चों पर बुलिंग से होने वाले दुष्प्रभावों को रोकना है। शिशुकुंज स्कूल ने पॉलिसी में वर्बल, सोशल, फिजिकल और साइबर बुलिंग को जोड़ा है। साइबर बुलिंग के बढ़ते दुष्परिणामों को लेकर स्पष्ट किया है कि बच्चों द्वारा गलत तरीके से ईमेल भेजना, गलत तरह की चैटिंग करना, दूसरे बच्चों की फेक प्रोफाइल बनाने आदि पर कार्रवाई हो सकती है।

तीन स्कूल-तीन केस... जो बताते हैं कि बच्चों को समझाइश की जरूरत है

बीमार रहने पर स्कूल जाने से कतरा रही थी छात्रा

सेंट रेफियल्स स्कूल के पालक एसोसिएशन के मुताबिक- आठवीं की एक छात्रा काफी बीमार रहती थी। इस कारण बच्चे उसे चिढ़ाते थे। उसे यह भी डर रहता था कि टीचर उसे डांटेगी। इस कारण उसने स्कूल जाना ही छोड़ दिया था। पालकों ने उसकी काउंसलिंग की और समझाया, तब से वह नियमित स्कूल जा रही है।

स्कूल से बचता था, जाता तो आधी छुट्टी में वापस लौटता

सरदार पटेल स्कूल प्रबंधन के मुताबिक- सातवीं का छात्र स्कूल आने से कतराता था। आता भी था तो आधी छुट्टी में ही चला जाता था। प्रबंधन ने पालकों को साथ में रखकर उसका कारण जानने की कोशिश की। उसे लेकर स्कूल में होने वाली बुलिंग को रोका। अब वह रेगुलर स्कूल आ रहा है और क्लास में भी बैठता है।

एक छात्र ने दूसरे छात्र को मार दी थी लोहे की रॉड

चोइथराम स्कूल में फरवरी में बुलिंग के शिकार नौवीं क्लास के एक बच्चे ने दूसरे बच्चे पर लोहे की रॉड फेंककर मार दी थी। उसके बाद स्कूल प्रबंधन ने इस संबंध में सख्त कदम उठाए और घटना के कारण का पता लगाया। दोनों बच्चों के अलावा उसके साथियों की भी काउंसलिंग की। समझाइश के बाद अब सब ठीक है।

Dr. Lalita Singh
Principal
BULLYING

एक निजी स्कूल ने गाइडलाइन जारी की है, जिसमें बताया है कि बच्चे बुलिंग करते हुए मिलते हैं तो उनके साथ क्या-क्या करना है।

छात्रों से एडमिशन के समय ही भरवाते हैं अंडरटेकिंग

एमराल्ड हाईट्स स्कूल के प्रिंसिपल सिद्धार्थ सिंह ने बताया कि एडमिशन के साथ ही बच्चों से अंडरटेकिंग फॉर्म भराया जाता है। साइबर पुलिस के अफसरों के सेशन भी स्कूल में कराते हैं। डीपीएस के प्रिंसिपल एके शर्मा ने बताया कि स्कूल में एक कमेटी है, जिसका काम बच्चों के व्यवहार पर नजर रखना बुलिंग रोकना है। शिशु कुंज स्कूल की प्रिंसिपल ललिता सिंह ने बताया कि हम बच्चों को भावनाओं की कद्र करना सिखाते हैं।